सन्मार्ग रांची, शुक्रवार, 7 मई 2010

झारखंड में ग्राहकों की ग्रामीण बैंक बन रहा है पहली पसंद : पीके श्रीवास्तव

रांची : लुभावनी योजनाएं लेकर विदेशी बैंक भारत आ रहे हैं और आम ग्राहकों का झुकाव हो रहा है स्वदेशी बैंकों की ओर। उसमें भी झारखंड के लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है झारखंड ग्रामीण बैंक । बैंक की हर वर्ष बढ़ रही शाखाएं और मुनाफा ही इसका प्रमाण है। बैंक की प्रगति के पीछे खड़े हैं इसके चेयरमेन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव । बैंक की शाखाएं बढ़ी हैं मुनाफा बढ़ा है और बैंक की लोगों के बीच साख भी बढ़ी है। राज्य का अकेला बैंक है जिसकी सबसे अधिक 217 शाखाएं हैं। इस वर्ष के अंत तक इनकी संख्या ढाई सौ से अधिक पहुंच जायेंगी। इतना ही नहीं जो सुविधाएं अन्य बैंकों द्वारा दी जा रही हैं वही सुविधाएं इस बैंक से भी मिलने लगेंगी। यह कहना है बैंक के चेयरमेन का। **सिटी एडिटर राजीव कुकरेजा** से बातचीत करते हुए श्री श्रीवास्तव ने कई ऐसी जानकारियां दी हैं जिनसे बैंक के ग्राहक अनभिज्ञ हैं।

सन्मार्ग से विशेष बातचीत में श्री श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने जून 2008 में बैंक के प्रमुख का पदभार ग्रहण किया था। उस समय बैंक डिपॉजिट था 1222 करोड़ रुपये जो आज बढ़कर पहुंच गया है 1660 करोड़ रुपये। सिर्फ दो साल में 438 करोड़ रुपये की वृद्धि। दो साल पहले बैंक का शुद्ध लाभ था 8.8 करोड़ जो बढ़कर हो गया है 22.8 करोड़ अर्थात लाभ पहुंच गया है। तीन गुणा अधिक दो वर्षों में 14 करोड़ का अतिरिक्त मुनाफा 2 साल पहले बैंक द्वारा 349 करोड़ रुपया ऋण के रूप में दिया गया था। जो बढ़कर 460 करोड़ रुपये हो गया था। 2 वर्षों में 111 करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 35 और नयी शाखाएं खोलने की योजना है इनमें से 16 शाखाओं के लिए लाईसेंस मिल चुका है। ये शाखाएं रांची के अलावा गिरिडीह, हजारीबाग और सिंहभूम प्रमंडलों में खोली जायेगी। इस वर्ष धनबाद क्षेत्र में भी सात शाखाएं खोलने की योजना है। बैंक सिर्फ नोटिफाइड एरिया में ही शाखाएं खोल सकता है। बैंक की रांची जिले में 33 शाखाएं हैं जिसमें से सात शाखाएं राजधानी के विभिन्न इलाकों में है। अब ग्रामीणों के अलावे शहरी ग्राहकों का झुकाव भी बैंक की ओर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि दो शाखाएं कोर बैंकिंग से जुड़ चुकी हैं इनमें रांची और बिलाईपाड़ा (जमशेदपुर) शामिल हैं। इस वर्ष के अंत तक शत-प्रतिशत शाखाओं को कोर बैंकिंग से जुड़ जोड़ने के लिए बैंक ऑफ इंडिया मदद कर रहा है। हमारी दो शाखाओं ने स्मार्ट कार्ड योजना भी शुरू कर दी। इनमें एक कांके और दूसरी काशीदाह घाटशिला है। ये बैंक का पायलट प्रोजेक्ट है। जल्द ही स्मार्ट कार्ड से खातों का ऑपरेशन भी होने लगेगा। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2008-09 में 82 हजार नये खाते खुले थे। जबकि वर्ष 2009-10 में एक लाख से अधिक खाते खुले हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 में बैंक का एनपीए 13.5 प्रतिशत था। जो घटकर 8.5 प्रतिशत हो गया है। नेट एनपीए 7.5 प्रतिशत से घटकर 1.75 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बैंक केन्द्र और राज्य सरकार की सारी योजनाओं में सक्रिय सहयोग कर रहा है। नरेगा और वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान ग्रामीण बैंक की शाखाओं द्वारा ही किया जा रहा है।

श्री श्रीवास्तव का कहना है कि बैंक की कई ऐसी शाखाएं हैं जो उग्रवाद प्रभावित इलाकों में हैं। वहां कि शाखाएं भी अच्छा काम कर रही है। इनमें चतरा की पांडेपुर, प्रतापपुर, इंटरगंज के अलावे सिमडेगा, कोलेबिरा और घाघरा की शाखाएं शामिल हैं। यहां बैंक द्वारा शुरू की गयी 'घर-घर ज्योति' योजना को काफी सफलता मिली है। ग्रामीणों को विशेषकर किसानों, शिक्षकों को टाटा बीपी सोलर की घरेलू लाईट बैंक द्वारा आसान किस्तों पर उपलब्ध कराई जा रही है। बैंक ने कृषि ऋण मांफी योजना के तहत राज्य के 28 हजार कृषकों का 53 करोड़ रुपया मांफ कर दिया है।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि कोर बैंकिंग से जुड़ते ही बैंक अपने ग्राहकों को एटीएम कार्ड भी जारी करेगा, ताकि ग्राहक किसी भी बैंक से पैसे का लेन-देन आसानी से कर सकें और अपना पैसा दूसरे राज्यों मे भी भेज सकें। बैंक इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा भी अपने ग्राहकों करायेगा। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में बैंक ने व्यवसायिक वाहनों को फाइनांस करने के लिए टाटा मोटर्स, फोड और बजाज ऑटो से करार किया है जिसके अच्छे परिणाम सामने आयें हैं। शीघ्र ही बैंक ट्रैक्टर निर्माता एस्कॉर्ट्स से भी समझौता करने जा रहा है। इसके अलावा महिन्द्रा से भी बातचीत चल रही है।

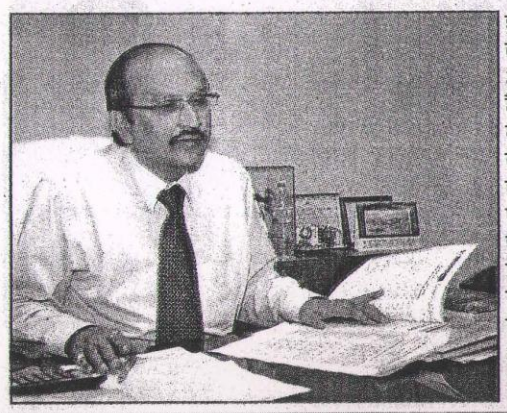

झारखंड ग्रामीण बैंक के चेयरमैन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव बड़ोदा में बैंक ऑफ इंडिया के उपमहाप्रबंधक रह चुकें हैं और वर्तमान में झारखंड ग्रामीण बैंक में प्रतिनियुक्ति में हैं। देश के उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और मध्यप्रदेश में बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं में पिछले 35 वर्षों से कार्यरत रहे हैं। मूल रुप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले श्री श्रीवास्तव ने बैंक को झारखंड में इस ऊंचाई तक पहुंचा दिया है। बैंक के निदेशक मंडल के अलावा आयुक्त शीला किस्कू रपाज, उपायुक्त केके सोन, बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक एसबी पटनायक व एमकृष्णा मूर्ति, नॉबार्ड के उपमहाप्रबंधक एसए खानोलकर, भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक एस थॉमस पुन्नुस के अलावा अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ला व चतरा के अशासकीय निदेशक बद्री राम हैं।